नगर पालिका परिषद गाजीपुर की पृष्ठभूमि एक दृष्टि में

पतित पावनी मॉ भागीरथी के पवित्र तट पर 25° 35 अंक्षांश तक 83° 35° देशान्तर अवस्थित '' गाजीपुर नगर पालिका'' वाराणसी से राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 29 पर 78 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। वर्ष 1853 में इस नगर की जनसंख्या 38573 थी जब कि वर्ष 1863 आबादी 34385 थी। वर्ष 1330 के पूर्व इस नगर का नाम ––गाधीपुरा'' राजा गांधी के नाम पर था। गाजीपुर पूर्व में चन्द्रगुप्त प्रथम, समुन्द्रगुप्त के राज्य का हिस्सा था। प्रसिद्ध चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा इसको ''चेन–चू'' के नाम से उल्लिखित किया है। '8चेन–चू'' अर्थात ''युद्ध का राजा''। लार्ड कनिग्हमं ने इसलिए इसका नाम ''गजपतिपुर'' बताया है। इतिहास में कही–कही इसका उल्लेख ''युद्धपतिपुर'' या युद्धरानापुर'' भी उल्लिखित है (गाजीपुर गजेरिया)। पृथ्वीराज के वंशज राजा मंथाता ने वर्तमान गाजीपुर की स्थापना की जिनके उत्तराधिकारी वंशजो के सुल्तान दिल्ली के आदेश पर चालिस गाजियों के दल जिनका नेतृत्व सैयद मौसूद गाजी अथवा मलिक–उस–सादात–गाजीपुर द्वारा गाजीपुर की स्थापना की गई। वर्ष 1330 में नगर आबाद हुआ तथा 1862 में गाजीपुर केन्टूनमेन्ट की स्थापना की गयी। गाजीपुर मूलतः इत्र नगरी के रूप में प्रसिद्ध रहा। अगस्त 1868 में नगर पालिका कायम हुई तथा 1973 से द्वितीय श्रेणी नगर पालिका घोषित हुई। 1938 में जलकल की स्थापना हुई।

सामान्य सूचनायें

1.	निकाय का नाम	– नगर पालिका परिषद गाजीपुर।
2.	जनसंख्या (2011)	– 121658
3.	क्षेत्रफल	– 13.45 वर्ग कि0मी0
4.	वार्डो की संख्या	– 25
5.	कर वसूली के दृष्टि से वार्डो की संख्या	– 10
6.	सफाई की दृष्टि से वार्डो की संख्या	– 13
7.	नगर क्षेत्र के अन्दर सड़को की लम्बाई	– 129.02 कि0मी0
8.	नगर क्षेत्र के अन्दर स्थापित पाईप लाईन की लम्बाई	– 280.00 कि0मी0
9.	नगर क्षेत्र के अन्दर भवनों की संख्या	– 19070